JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बकरी पालन योजना : स्व रोजगार का सुलभ साधन

Dr. Yogesh Khandelwal
Assistant Professor Commerce
Govt. Kusum P.G. college
Seoni Malwa Distt. Narmadapuram M.P.

शोध सारांश : भारत देश को तेजी से विकसित होने के लिए शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मध्य, लघु एवं भूमिहीन कृषकों की वित्तीय स्थिति में सुधार होना अत्यावश्यक है। परंपरागत कृषि के साथ ही पशुपालन कृषकों की वित्तीय स्थिति में सुधार में सहायक तत्व हो सकता है। मध्य प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं इनमें से एक प्रमुख योजना बकरी पालन योजना की विवेचना करना, इसके लाभ तथा चुनौतियां की विवेचना करना इस शोध पत्र का उद्देश्य है।

शब्द कुंजी : पशुपालन, आर्थिक स्थिति में सुधार, बकरी पालन योजना।

प्रस्तावना : महत्मा गांधी ने कहा था कि भारत देश की आत्मा गांव में निवास करती है और यह बात आज भी सही है। वर्तमान में भी यह बात पूरी तरह से सही है। वर्तमान में भी

मध्य प्रदेश शासन के पशुपालन विभाग द्वारा संचालित बकरी इकाई प्रदाय योजना मुख्य रूप से भूमिहीन, कृषि मजदूर, सीमांत एवं लघु कृषकों की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए लागू की गई है। यह योजना उन हितग्राहियों को प्रदान की जाती है जिन्हें बकरी पालन का अनुभव रहा हो। यह योजना सभी वर्ग के हितग्राहियों के लिए समान रूप से उपलब्ध है। यह योजना मध्य प्रदेश के सभी जिलों में संचालित है।

बकरी इकाई योजना का उद्देश्य :

- देशी बकरियों मे नस्ल सुधार लाना।
- हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति मे सुधार लाना।
- मांस तथा दुग्ध उत्पादन मे वृद्धि करना।
- हितग्राहियों को आय का वैकल्पिक स्त्रोत प्रदान करना।

- ग्राम स्तर पर स्व रोजगार के अवसर प्रदान करना।

बकरी इकाई योजना का स्वरूप :

इस योजना अंतर्गत हितग्राहियों को प्रति हितग्राही 10 बकरी तथा एक बकरा प्रदान किया जाएगा। उनका 5 वर्षों की बीमा राशि तथा प्रथम तीन माह के लिए जानवरों के भोजन हेतु राशि भी योजना अंतर्गत प्रदान की जाएगी। यह योजना मुख्य रूप से सभी वर्ग के भूमिहीन, कृषि मजदूर, सीमांत एवं लघु कृषकों के लिए उपलब्ध है।

बकरी इकाई योजना की लागत :

क्र.	विवरण	राशि
1.	देशी स्थानीय नस्ल की बकरी दर 6,000/- प्रति बकरी	60,000.00
2.	1 जमुनापारी / बारबरी / सिरोही / बीटल बकरा	7,500.00
3.	बीमा राशि 10.35% के दर से 5 वर्ष के लिये	6,986.00
4.	बकरी आहार 3 माह के लिये 250 ग्राम प्रतिदिन रू 12/- प्रतिकिलो	2,970.00
5.	कुल लागत	77,456.00

बकरी इकाई योजना अंतर्गत अनुदान :

मध्य प्रदेश सरकार व्दारा इस योजना अंतर्गत निम्नानुसार अनुदान प्रदान किया जाता है -

- अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 60% अनुदान रु. 46474.00
- सामान्य वर्ग के लिये 40% अनुदान रु. 30982.00
- इकाई लागत का 10% हितग्राही अंशदान तथा शेष राशि बैंक ऋण से एकत्रित की जाती है।

चुनौतियां : बकरी इकाई योजना में निम्न चुनौतियां हैं। इनमें से प्रमुख हैं:

- बकरी के दूध का बाजार न होना।
- कई किसानों व्दारा जानवरों के विक्रय से होने वाली आय को व्यापार के रूप में स्वीकार न करना।
- बकरीयों का नियमित विक्रय ना होना।
- नियमित आय अर्जन का आभाव।
- बैंक व्दारा भूमीहीन किसानों को ऋण प्रदान नहीं करना।

निष्कर्ष :

मध्य प्रदेश शासन के पशुपलान विभाग व्दारा संचालित यह योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है। कृषक यदि इसे आय के सहायक स्रोत के रूप में अपनाते हैं तो यह ग्रामीण कृषकों की

आर्थिक स्थिति को सुद्रण कर सकती है। प्रत्येक कृषक के पास अतिरिक्त भूमि उपलब्ध रहती है जिसका इस्तेमाल बकरी पालन योजना के लिए किया जा सकता है। यह भी ज्ञात है कि कुछ चुनौतियां इस योजना की राह में रोड़ा बनकर उपस्थित हैं किंतु कृषकों तथा भूमिहीन मजदूरों को सही मार्गदर्शन तथा प्रेरणा के द्वारा उन चुनौतियों से पर पाया जा सकता है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यह योजना सीमांत तथा भूमिहीन कृषकों के लिए वरदान से कम नहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूचि :

www.India.gov.in से साभार
www.mpdah.gov.in से साभार
भारतीय अर्थव्यवस्था, दत्ता गौरव एवं महाजन अश्विन, एस. चंद एंड कम्पनी नई दिल्ली
दैनिक भास्कर समाचार पत्र, भोपाल
योजना गाईड, पशुपालन विभाग, मध्यप्रदेश